मासिक रिपोर्ट

मसाले

जुलाई 2023

11 जुलाई 2023

smc
moneywise. be wise.

जीरा

जीरा की कीमतों में जून में तेजी बरकरार रही और जून में कीमतों में 23% की बढ़ोतरी हुई और यह 54975 पर बंद हुआ। इसका प्रमुख कारण पाइप लाइन के समाप्त स्टॉक और मौजूदा आवक के साथ गुणवत्ता के मुद्दे को माना जा सकता है। इसके अलावा, 'बिपोरजॉय चक्रवात' के कारण आपूर्ति में व्यवधान ने भी जीरे की कीमतों को बढ़ा दिया। जून के महीने में गुजरात और राजस्थान में भारी बारिश के कारण आवक की गति धीमी हो गई। गुजरात और राजस्थान में 1 जून के बाद से जुलाई के पहले सप्ताह तक सामान्य से 102% और 131% अधिक वर्षा हुई। लेकिन, फसल का आकार बड़ा होने के कारण कुल आवक पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रही। विपणन वर्ष 2022-23 में कुल जीरा उत्पादन 6.27 लाख टन होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के 5.55 लाख टन की तुलना में साल-दर-साल 13% अधिक है।

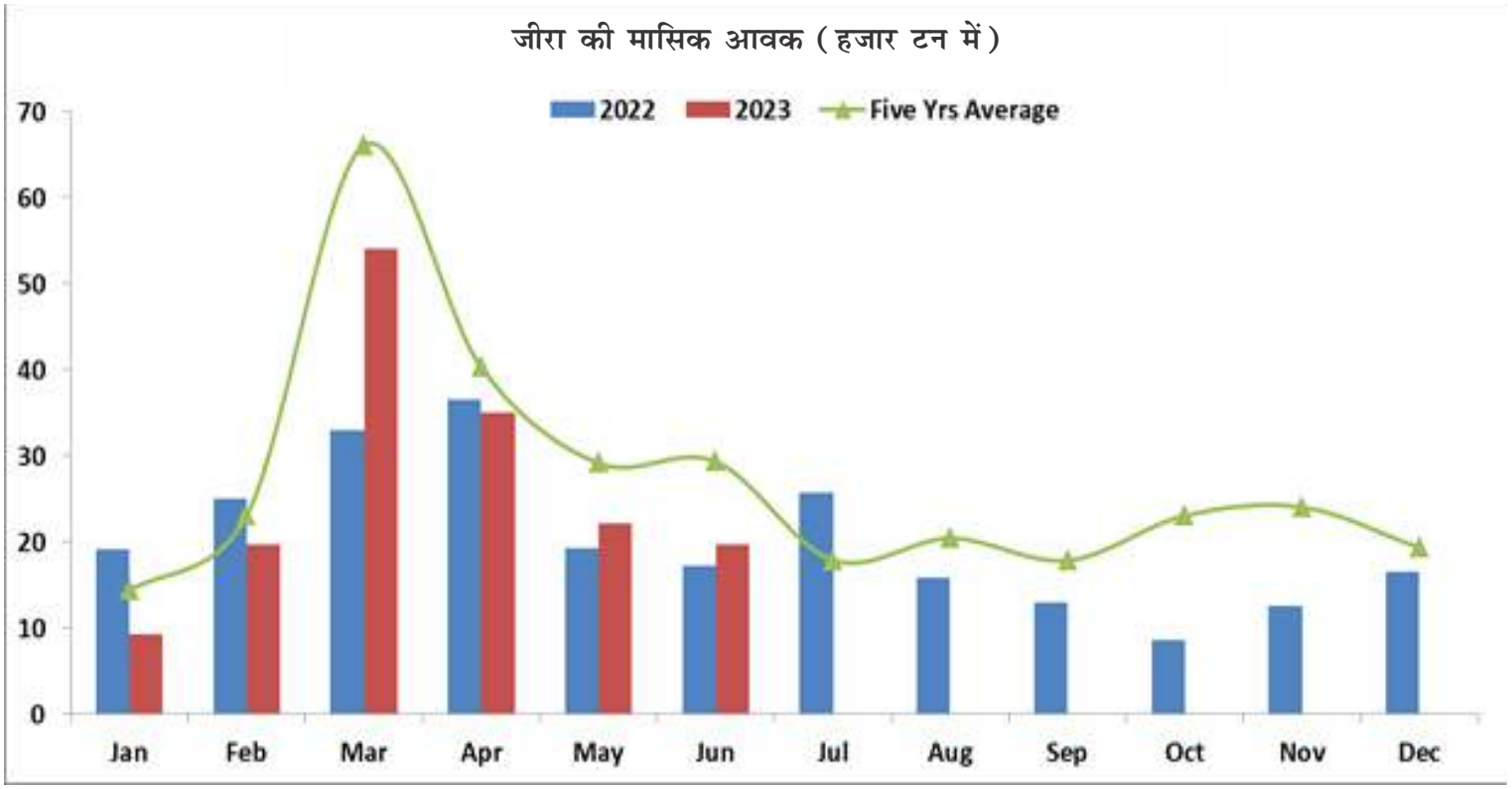

आवक की मौसमी स्थिति से पता चलता है कि आने वाले महीनों में आवक की गति धीमी होने की संभावना है, जिससे जीरा की कीमतों में बड़ी गिरावट पर रोक लग जाएगी। पिछले वर्ष के 17.2 हजार टन के मुकाबले जून-23 में प्रमुख एपीएमसी दुकानों में लगभग 19.7 हजार टन आवक की सूचना थी।

बाजार वर्ष 2023-24 में जीरा की निर्यात मांग में वृद्धि हुई क्योंकि अप्रैल-मई के लगातार 2 महीनों में निर्यात पिछले वर्ष के 23 हजार टन की तुलना में बढ़कर 47 हजार टन हो गया। वैश्विक आपूर्ति में व्यवधान और कम उत्पादन के साथ वर्ष 2023 में चीन की मांग में काफी उछाल आया। चीन के खरीदारों की आक्रामक खरीदारी के कारण भारत से जीरा के कुल निर्यात का आधे से अधिक चीन को चला गया। चीन ने अप्रैल-मई-23 के दौरान पिछले वर्ष के 3.2 हजार टन की तुलना में लगभग 22.8 हजार टन जीरा आयात किया। बाजार में आपूर्ति में गिरावट के साथ आने वाले महीनों में निर्यात कम होने की संभावना है। जीरा की कीमतों में तेज उछाल से वैश्विक खरीदार के लिए कीमतें कम आकर्षक हो जाएंगी, जो आने वाले महीनों में भारत से धीमी निर्यात के रूप में दिखाई देगी।

आगे चलकर, बाजार में गुणवत्तापूर्ण उपज की सीमित उपलब्धता के कारण जीरा की कीमतों के अस्थिर रहने और तेजी के रूझान के साथ कारोबार करने की संभावना है। जुलाई-23 में आवक बढ़ सकती है क्योंकि कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर हैं और जल्द ही 65000 के स्तर को छू सकती हैं, जो स्टॉकिस्टों और किसानों को अपनी उपज को ऐसे रिकॉर्ड स्तर पर अच्छे मुनाफे में लाने के लिए प्रेरित करेगा।

उपरोक्त फंडामेंटल के आधार पर, ऐसा लगता है कि जीरा वायदा (अगस्त) की कीमतों के आने वाले हफ्तों में 54000-63000 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

हल्दी

मानसून की धीमी प्रगति के कारण जून में हल्दी की कीमतों में तेज वृद्धि देखी गई, जिसके कारण प्रमुख उत्पादक राज्यों विशेषकर महाराष्ट्र और तेलंगाना में बुआई में देरी हुई। इसके अलावा, बांग्लादेश और मोरक्को से मजबूत निर्यात मांग के कारण भी कीमतों में तेजी आई। जून-23 में हल्दी की कीमतें लगभग 26% बढ़ीं और एनसीडीईएक्स पर 14वें महीने के उच्चतम स्तर 10048 पर पहुंच गई। मौसमी बदलाव के साथ प्रतिकूल बदलाव दर्ज करने के बाद, हल्दी की कीमतें अपनी मौसमी बदलाव के अनुरूप रहीं और जून-जुलाई-23 के दौरान मौसमी बदलाव के अनुसार ही बढ़ीं।

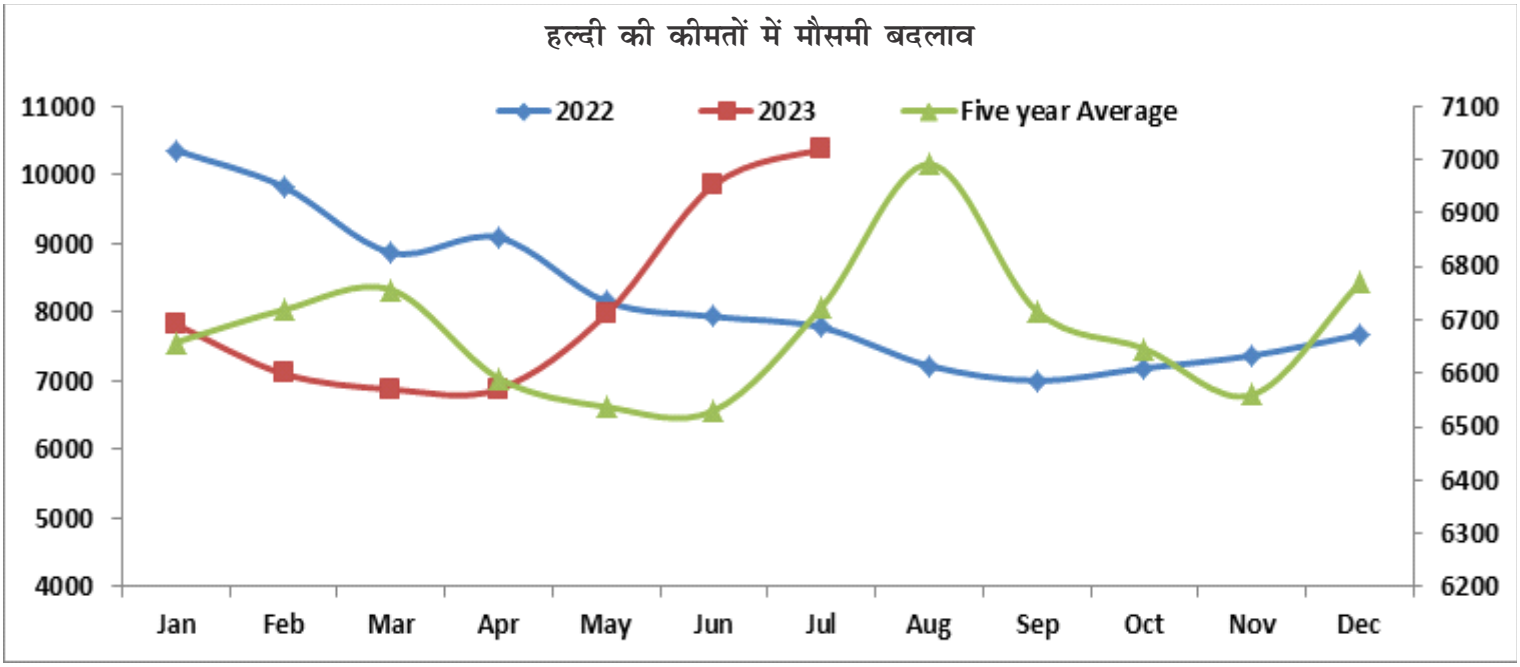

आगे चलकर, बुआई गतिविधियों में प्रगति के साथ हल्दी की कीमतों में गिरावट की संभावना है। स्टॉकिस्टों की ओर से मांग कम होने से भी बाजार के सेंटीमेंट पर असर पड़ेगा। जून-23 में हल्दी की कीमतों में तेजी से किसानों को हल्दी के तहत अपना क्षेत्र बढ़ाने के लिए प्रेरित किया जाएगा जिससे कीमतों पर दबाव पड़ेगा। हालाँकि, यह कहना थोड़ा जल्दबाजी होगी कि रकबा कितना बढ़ेगा क्योंकि जून में मानसून की धीमी प्रगति के कारण कुल बुआई में देरी हुई है। महाराष्ट्र और तेलंगाना में मॉनसून वर्षा ने गति पकड़ ली है जिससे कुल बुआई गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। वर्ष 2023 में हल्दी का कुल उत्पादन क्षेत्र 3.2 लाख हेक्टेयर के करीब पहुंचने की उम्मीद है, जो पिछले वर्ष के 3.23 लाख हेक्टेयर के लगभग स्तर के करीब है।

1 अप्रैल से जुलाई के पहले सप्ताह के अंत तक कुल मिलाकर आवक 4% अधिक बताई गई है, क्योंकि पिछले वर्ष के 163 हजार टन की तुलना में उपरोक्त अवधि के दौरान लगभग 170 हजार टन हल्दी की आवक हुई है। आवक की गुणवत्ता संदिग्ध रही है क्योंकि गुजरात और राजस्थान में कटाई के समय लंबे समय तक हुई बारिश ने समग्र उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। बाजार में गुणवत्तापूर्ण उपज की सीमित उपलब्धता ने भी मिल मालिकों और स्टॉकिस्टों को हल्दी की कीमतों में हर गिरावट पर खरीदारी करने के लिए प्रेरित किया।

हाल के महीनों में हल्दी की निर्यात मांग में सुधार हुआ है जिससे कीमतों में बड़ी गिरावट पर अंकुश लगने की संभावना है। वर्ष 2023-24 के दौरान मई-24 में निर्यात में लगातार दूसरे महीने उछाल आया, जिससे हल्दी की कीमतों में तेज बढ़त हुई। भारत ने अप्रैल-मई-23 की समय अवधि के दौरान पिछले वर्ष के 30.9 हजार टन की तुलना में लगभग 39.42 हजार टन हल्दी का निर्यात किया, जो साल-दर-साल 28% अधिक है। मौसम के अनुसार आने वाले महीनों में निर्यात की गति धीमी रहेगी, जिससे कीमतों की बढ़त सीमित हो जाएगी।

उपरोक्त फंडामेंटल के आधार पर, हल्दी वायदा (अगस्त) की कीमतें 9200-11300 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

smc moneywise. be wise.

धनिया

धनिया की कीमतों में जून-23 में गिरावट का सिलसिला रुक गया क्योंकि कीमतों को 5950 के करीब सपोर्ट मिला और जून के निचले स्तर से लगभग 13% की रिकवरी हुई। त्योहारी और शादी की मांग बढ़ने से खरीदारी गतिविधियों में सुधार हुआ जिससे कीमतों को बढ़ने में मदद मिली। इसके अलावा, बढ़ी हुई निर्यात पूछताछ से भी धनिया की कीमतों को बढ़ने में मदद मिली। लेकिन, बाजार में भारी आवक और स्टॉकिस्टों के पास पर्याप्त स्टॉक होने से कीमतों की तेजी पर रोक लग गई। वर्ष 2023 में 1 अप्रैल से अब तक लगभग 271 हजार टन धनिया की आवक हुई है, जबकि पिछले वर्ष 103 हजार टन की आवक हुई थी। भारतीय मसाला बोर्ड के अनुसार बाजार वर्ष 2023-24 में कुल धनिया उत्पादन 8.47 लाख टन होने का अनुमान है, जो साल-दर-साल 15% अधिक है।

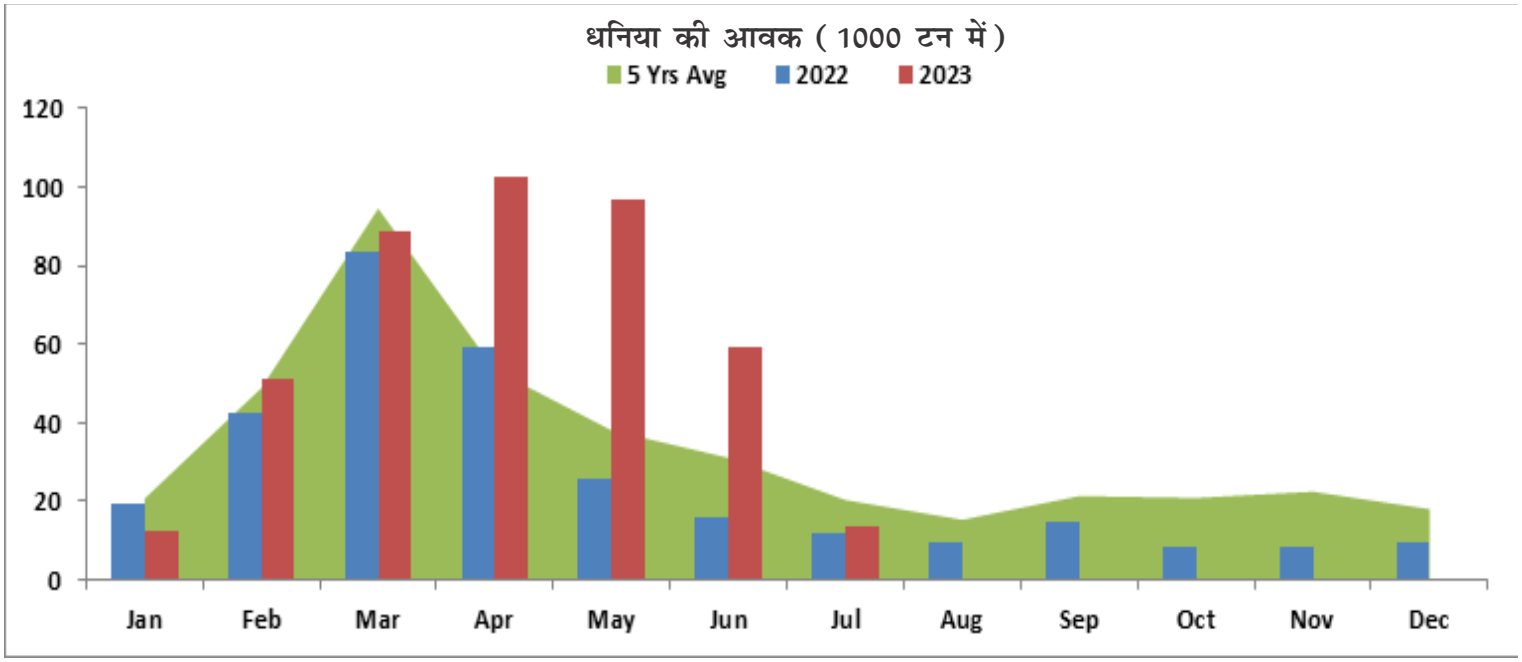

चीन और मलेशिया से बढ़ती मांग के कारण वर्ष 2023 में धनिया निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। चीन ने अप्रैल-मई-23 के दौरान पिछले वर्ष के 147 टन की तुलना में लगभग 20.5 हजार टन धनिया का आयात किया। भारत ने अप्रैल-मई-23 की समयावधि के दौरान पिछले वर्ष के 6.23 हजार टन के मुकाबले लगभग 35.4 हजार टन का निर्यात किया।

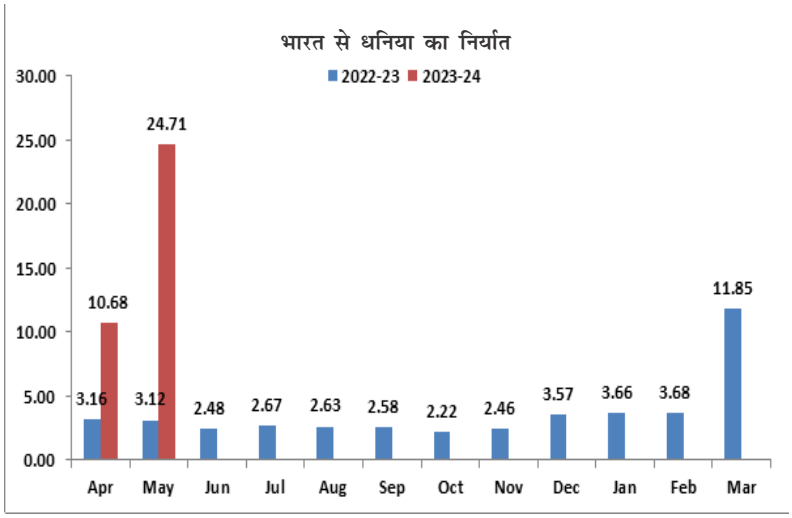

आगे चलकर धनिया की कीमतों के स्थिर रहने की उम्मीद है क्योंकि आने वाले हफ्तों में आवक की गति धीमी होने की संभावना है जो कीमतों में मजबूती का समर्थन करेगी। इसके अलावा, अधिक निर्यात मांग के कारण भी कीमतें तेजी के रूझान के साथ कारोबार कर सकती है।

आने वाले हफ्तों में धनिया (अगस्त) वायदा की कीमतों के 6400-7300 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

वंदना भारती	एवीपी कमोडिटी रिसर्च	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 625	**vandanabharti@smcindiaonline.com**
रवि पाण्डेय	सीनियर रिसर्च एनॉलिस्ट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 674	**ravi16@smcindiaonline.com**
शिवानन्द उपाध्याय	रिसर्च एसोसिएट	फोन न. 011-30111000 एक्सटें. 646	**shivanand@smcindiaonline.com**

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor ,
Graham Firth Steel Compound, Off Western
Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon
(East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

प्रतिभूति बाजार में निवेश बाजार के जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले सभी संबंधित दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ लें। सेबी द्वारा दिया गया पंजीकरण और एनआईएसएम से प्रमाणन किसी भी तरह से मध्यस्थ के प्रदर्शन की गारंटी नहीं देता है या निवेशकों को रिटर्न का कोई आश्वासन नहीं देता है। उद्धृत प्रतिभूतियां केवल उदाहरण के लिए हैं और अनुशंसात्मक नहीं हैं। एसएमसी सेबी द्वारा पंजीकृत एक अनुसंधान विश्लेषक है जिसका पंजीकरण संख्या आईएनएच 100001849 है। सीआईएन: L74899DL1994PLC063609 है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है। एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हे सत्य माना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें। रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं। यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए। रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है। इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए। यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उद्देश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है। सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है। सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा।